Dainik Bhaskar (Indore), 26th March 2012, City Bhaskar, Page-1 and 18

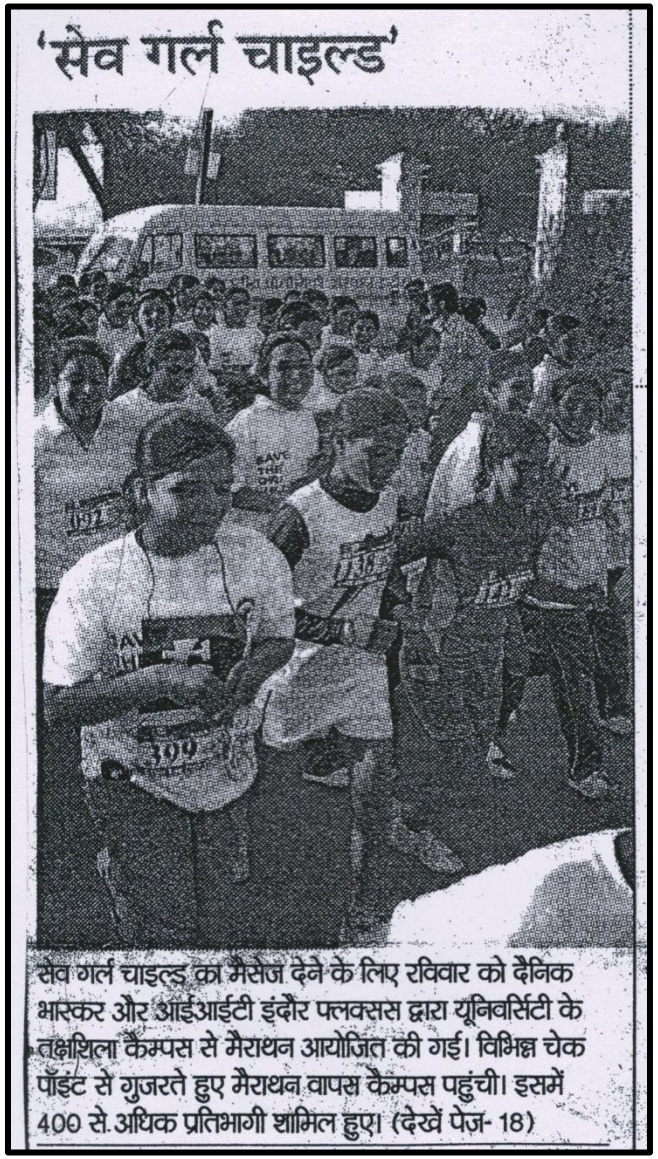

Page 1

सोशल मैसेज के लिए दौड़ा शहर

शहर में रविवार का दिन मैराथन और रैली के नाम रहा। बेटी बचाने का संदेश देने के लिए दैनिक भास्कर और आईआईटी ने मैराथन आयाजित की वहीं खाने-पीने के शौकीनों के लिए फूड मैराथन में 100 किलो का बर्गर बनाया गया। सेफ ड्राइविंग का मैसेज देती रैली के साथ-साथ यौन प्रताड़ना के खिलाफ निकली मैराथन में स्टूडेंट्स व सीनियर सिटीजन शामिल हुए।

बेटी बचाओ मैराथन

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

बेटी है तो कल है। बेटी बचाओ खुशहाली लाओ। ऐसे ही कुछ स्लोगन के साथ शुरू हुई मैराथन। दैनिक भास्कर और आईआईटी इंदौर फ्लक्सस-2012 द्वारा यूनिवर्सिटी तक्षशिला परिसर से मैराथन शुरू हुई। सात चेक पॉइंट से गुजरी मैराथन में कन्या भ्रूणहत्या रोकने और बेटी बचाओ का नारा लगाते हुए युवा दौड़ रहे थे।

मैराथन में महू एमसीटीई, एनसीसी, बॉम्बे हॉस्पिटल नर्सिंग के स्टूडेंट सहित शहर के हर वर्ग के लोग शामिल थे। लड़कों ने 9.43 किलोमीटर और लड़कियों ने 6.20 किलोमीटर की दूरी तय की। गर्ल्स नेमावर रोड से आशाराम बापू चौराहा होते हुए वापस यूनिवर्सिटी कैंपस और लड़के यूनिवर्सिटी कैंपस से नवलखा डेली कॉलेज, मूसाखेड़ी होते हुए वापस कैंपस पहुंचे।

मैराथन में स्कूल व कॉलेज और ओपन फॉर ऑल दो कैटेगरी में विजेता घोषित किए गए। बॉयज में पंकज परदेसी फर्स्ट, गौरव परमानी सेकंड और अंकित चौहान थर्ड। गर्ल्स में पायल चिलोंगिया फर्स्ट, रोहिनी सेकंड और राजकुमारी थर्ड रहीं।

ओपन फॉर ऑल में बॉयज में पंकज परदेसी फर्स्ट, लांस नायक सेकंड और उमेश बाबू थर्ड रहे वहीं गर्ल्स में कैप्टन श्रीशमा सुरशा फर्स्ट, प्रेरणा चौहान सेकंड और गुंजन थापलीवाल थर्ड रहीं।

फूड लवर को बर्गर ने दी चुनौती

खानपान के लिए मशहूर इंदौर में बेस्ट फूड लवर तलाशने के लिए अनूठा आयोजन हुआ। दो मिनट में एक किलो का बर्गर खत्म करने की चुनौती दी गई तो खुद को फूडी मानने वालों ने भी घुटने टेक दिए। मौका था सी-21 मॉल में फूड मैराथन का। एक तरफ यहां 100 किलो का बर्गर तैयार करवाया गया वहीं दूसरी तरफ एक किलो के बर्गर कॉम्पटिशन के लिए रखे गए। 100 प्रतिभागियों में से 90 प्रतिशत लोगों के लिए एक किलो का बर्गर चट करना मुश्किल हो गया।

फैमिली ने दिया सेफ ड्राइविंग का मैसेज

माइल्स एंड स्माइल फैमिली कार रैली के जरिए सेफ ड्राइविंग का संदेश दिया गया। रविवार को ऑडी इंदौर और एंटरप्रिन्योर ऑर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित रैली सुबह 11 बजे शॉपर्स स्टॉप एलआईजी स्क्वेयर से शुरू होकर, मयूर हॉस्पिटल, डेली कॉलेज, सुपर कॉरिडोर आदि रूट को कवर करते हुए एयरपोर्ट पहुंची। दो घंटे चली रैली में शामिल फैमिली ने स्पीड के बजाय सेफ ड्राइविंग को प्रमोट किया। मार्केटिंग मैनेजर गौरव पावसे कहते हैं रैली के जरिए हम फैमिली को कुछ समय देना चाहते थे ताकि सभी सदस्य अच्छे उद्देश्य के लिए जुड़ें।

सीनियर सिटीजन भी हुए शामिल

एक्रोपोलिस इंस्टिट्यूट के वुमन सेल और एक्रोपोलिस की एनएसएस इकाई द्वारा यौन प्रताड़ना के खिलाफ रखी गई मैराथन में स्टूडेंट्स के साथ ही 80 साल के सीनियर सिटीजन भी शामिल हुए। साढ़े तीन किलोमीटर की इस दौड़ में हर आयु वर्ग के लोगों का एनर्जी लेवल एक समान बना रहा। एसजीएसआईटीएस से शुरू हुई मैराथन, मालवा मिल, जंजीरावाला चौराहा के बाद कॉलेज परिसर पहुंची। शुरुआत समाजसेविका पेरिन दाजी, वी केअर फॉर यू प्रभारी अनीता ढोबले, सीएसपी जयवीरसिंह भदौरिया ने की। आयोजक लक्ष्य मल्होत्रा, दीपक कुकरेजा और आसिफ खान थे।